प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत

1. मध्यकालीन मुस्लिम इतिहासकारों ने भारत देश को किस नाम से संबोधित किया है ?
(अ) हिन्द (ब) हिन्दुस्तान
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इंडिया
उत्तर : (स)
व्याख्या:– मध्यकालीन मुस्लिम इतिहासकारों ने भारत देश को हिन्द अथवा हिन्दुस्तान नाम से संबोधित किया है।

2. भारत का सबसे अधिक प्राचीन ग्रंथ माना जाता है–
(अ) वेद (ब) उपनिषद
(स) पुराण (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या:– भारत का सर्वप्राचीन धर्मग्रंथ वेद है, जिसके संकलनकर्ता महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास को माना जाता है। वेद चार हैं–ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद। इन चारों वेदों को संहिता कहा जाता है।

3. वेद कितने हैं ?
(अ) 2 (ब) 5
(स) 18 (द) 4
उत्तर : (द)
व्याख्या:– वेद चार हैं–ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। इन चारों वेदों को संहिता कहा जाता है। इनके संकलनकर्ता महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास को माना जाता है। भारतीय परम्परा वेदों को नित्य तथा अपौरूषेय मानती है।

4. कालक्रमानुसार चारों वेदों का व्यवस्थित रूप है–
(अ) ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद
(ब) यजुर्वेद, सामवेद, ऋग्वेद और अथर्ववेद
(स) सामवेद, यजुर्वेद, ऋग्वेद और अथर्ववेद
(द) ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद
उत्तर : (अ)
व्याख्या:– चारों वेदों का कालक्रमानुसार व्यवस्थित रूप है–ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद। इन चारों वेदों को संहिता कहा जाता है। सबसे प्राचीन वेद 'ऋग्वेद' है। सबसे प्राचीन वेद ऋग्वेद एवं सबसे बाद का वेद अथर्ववेद है।

5. ऋग्वेद में कितने मण्डल है ?
(अ) 5 (ब) 21
(स) 18 (द) 10
उत्तर : (द)
व्याख्या:– ऋग्वेद में 10 मंडल है। विश्वामित्र द्वारा रचित ऋग्वेद के तीसरे मंडल में सूर्य देवता सावित्री को समर्पित प्रसिद्ध गायत्री मंत्र है। ऋग्वेद के 9वें मंडल में देवता सोम का उल्लेख मिलता है। ऋग्वेद के 8वें मंडल की हस्तलिखित ऋचाओं को खिल कहा जाता है। ऋग्वेद के 10वें मंडल में वर्णित पुरुषसूक्त के अनुसार चार वर्ण (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तथा शूद्र) आदि पुरुष ब्रह्मा के क्रमशः मुख, भुजाओं, जंघाओं और चरणों से उत्पन्न हुए।

6. वेदों के संकलनकर्ता है–
(अ) महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास
(ब) महर्षि वाल्मीकि
(स) महर्षि पतंजलि
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या:– भारत का सर्वप्राचीन धर्मग्रंथ वेद है, जिसके संकलनकर्ता महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास को माना जाता है। वेद चार हैं–ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद। इन चारों वेदों को संहिता कहा जाता है।

7. ऋचाओं के क्रमबद्ध ज्ञान के संग्रह को कहा जाता है–
(अ) सामवेद (ब) अथर्ववेद
(स) ऋग्वेद (द) यजुर्वेद
उत्तर : (स)
व्याख्या:– ऋचाओं के क्रमबद्ध ज्ञान के संग्रह को ऋग्वेद कहा जाता है। इसें 10 मंडल, 1028 सूक्त, एवं 10,462 ऋचाएँ हैं। इस वेद के ऋचाओं के पढ़ने वाले ऋषि को होतृ कहते हैं।

8. ऋग्वेद में कुल कितनी ऋचाएँ हैं ?
(अ) 1028 (ब) 10,462
(स) 10,482 (द) 10,562
उत्तर : (द)
व्याख्या:– ऋग्वेद में 10,462 ऋचाएँ हैं। इस वेद के ऋचाओं को पढ़ने वाले ऋषि को होतृ कहा जाता है।

9. ऋग्वेद की ऋचाओं को पढ़ने वाले ऋषि को कहा जाता है–
(अ) होतृ (ब) अध्वर्यु
(स) उद्रातृ (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या:– ऋग्वेद में 10,462 ऋचाएँ हैं। इन ऋचाओं को पढ़ने वाले ऋषि को होतृ कहते कहा जाता है।

10. ऋग्वेद में कितने सूक्त हैं ?
(अ) 1024 (ब) 1108
(स) 1028 (द) 10,462
उत्तर : (स)

www.rajstudents.com

व्याख्याः– ऋग्वेद में 1028 सूक्त (वालखिल्य पाठ के 11 सूक्तों सहित), 10 मण्डल एवं 10,462 ऋचाएँ हैं।

11. ऋग्वेद के तीसरे मंडल की रचना किसके द्वारा की गई थी ?
(अ) अथर्वा ऋषि (ब) विश्वामित्र
(स) वेदव्यास (द) वाल्मीकि
उत्तर : (ब)
व्याख्याः– ऋग्वेद में 10 मंडल है। विश्वामित्र द्वारा रचित ऋग्वेद के तीसरे मंडल में सूर्य देवता सावित्री को समर्पित प्रसिद्ध गायत्री मंत्र है।

12. ऋग्वेद के किस मंडल में सूर्य देवता सावित्री को समर्पित प्रसिद्ध गायत्री मंत्र है ?
(अ) प्रथम मंडल में (ब) द्वितीय मंडल में
(स) तीसरे मंडल में (द) आठवें मंडल में
उत्तर : (स)
व्याख्याः– ऋग्वेद में 10 मंडल है। विश्वामित्र द्वारा रचित ऋग्वेद के तीसरे मंडल में सूर्य देवता सावित्री को समर्पित प्रसिद्ध गायत्री मंत्र है।

13. ऋग्वेद के किस मंडल में देवता 'सोम' का उल्लेख मिलता है ?
(अ) आठवें मंडल में (ब) नवें मंडल में
(स) दसवें मंडल में (द) पांचवें मंडल में
उत्तर : (ब)
व्याख्याः– ऋग्वेद में 10 मंडल है। ऋग्वेद के 9वें मंडल में देवता सोम का उल्लेख मिलता है।

14. चातुष्वर्ण्य समाज (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र) की कल्पना का आदि स्रोत है–
(अ) ऋग्वेद के 10वें मंडल में वर्णित पुरुषसूक्त
(ब) ऋग्वेद के 9वें मंडल में वर्णित पुरुषसूक्त
(स) ऋग्वेद के 8वें मंडल में वर्णित पुरुषसूक्त
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्याः– ऋग्वेद में 10 मंडल है। ऋग्वेद के 10वें मंडल में वर्णित पुरुषसूक्त के अनुसार चार वर्ण (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तथा शूद्र) आदि पुरुष ब्रह्मा के क्रमशः मुख, भुजाओं, जंघाओं और चरणों से उत्पन्न हुए।

15. किस प्राचीन ग्रंथ में वर्णित है कि चार वर्ण (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद) आदि पुरुष ब्रह्मा के क्रमशः मुख, भुजाओं, जंघाओं और पैरों से उत्पन्न हुए ?
(अ) ऋग्वेद के 10वें मंडल में वर्णित पुरुषसूक्त
(ब) ऋग्वेद के 9वें मंडल में वर्णित पुरुषसूक्त
(स) ऋग्वेद के 8वें मंडल में वर्णित पुरुषसूक्त
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्याः– ऋग्वेद में 10 मंडल है। ऋग्वेद के 10वें मंडल में वर्णित पुरुषसूक्त के अनुसार चार वर्ण (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तथा शूद्र) आदि पुरुष ब्रह्मा के क्रमशः मुख, भुजाओं, जंघाओं और चरणों से उत्पन्न हुए।

16. ऋग्वेद के आठवें मंडल की हस्तलिखित ऋचाओं को क्या कहा जाता है ?
(अ) ऋचा (ब) खिल
(स) खल (द) खली
उत्तर : (ब)
व्याख्याः– ऋग्वेद में 10 मंडल है। ऋग्वेद के 8वें मंडल की हस्तलिखित ऋचाओं को खिल कहा जाता है।

17. वामनावतार के तीन पगों के आख्यान का प्राचीनतम स्रोत किस वेद को माना जाता है ?
(अ) सामवेद (ब) अथर्ववेद
(स) ऋग्वेद (द) यजुर्वेद
उत्तर : (स)
व्याख्याः– वामनावतार के तीन पगों के आख्यान का प्राचीनतम स्रोत ऋग्वेद है।

18. ऋग्वेद में देवता 'इन्द्र' के लिए कितनी ऋचाओं की रचना की गई है ?
(अ) 500 (ब) 250
(स) 200 (द) 108
उत्तर : (ब)
व्याख्याः– ऋग्वेद में इन्द्र के लिए 250 तथा अग्नि के लिए 200 ऋचाओं की रचना की गयी है।

19. ऋग्वेद में अग्नि देवता के लिए कितनी ऋचाओं की रचना की गई है ?
(अ) 500 (ब) 250
(स) 200 (द) 108
उत्तर : (स)
व्याख्याः– ऋग्वेद में इन्द्र के लिए 250 तथा अग्नि के लिए 200 ऋचाओं की रचना की गयी है।

20. गद्य एवं पद्य दोनों में रचित वेद है–
(अ) ऋग्वेद (ब) यजुर्वेद
(स) सामवेद (द) अथर्ववेद
उत्तर : (ब)
व्याख्याः– गद्य एवं पद्य दोनों में रचित वेद यजुर्वेद है। इसके पाठकर्ता को अध्वर्यु कहते हैं।

21. सस्वर पाठ के लिए मंत्रों तथा बलि के समय अनुपालन के लिए नियमों का संकलन किस वेद में मिलात है ?
(अ) ऋग्वेद में (ब) यजुर्वेद में
(स) सामवेद में (द) अथर्ववेद में
उत्तर : (ब)

व्याख्याः— सस्वर पाठ के लिए मंत्रों तथा बलि के समय अनुपालन के लिए नियमों का संकलन यजुर्वेद कहलाता है। इसके पाठकर्ता को अध्वर्यु कहते हैं। यजर्वेद में यज्ञों के नियमों एवं विधि विधानों का संकलन मिलता है। इसमें बलिदान विधि का भी वर्णन है। यह एक ऐसा वेद है जो गद्य एवं पद्य दोनों में है।

22. गायी जा सकने वाली ऋचाओं का संकलन किस वेद में मिलता है ?
(अ) ऋग्वेद (ब) यजुर्वेद
(स) सामवेद (द) अथर्ववेद
उत्तर : (स)
व्याख्याः— 'साम' का शाब्दिक अर्थ है गान। सामवेद में मुख्यतः यज्ञों के अवसर पर गाये जाने वाले ऋचाओं (मन्त्रों) का संकलन है। इसके पाठकर्ता को उद्गातृ कहते हैं। इसका संकलन ऋग्वेद पर आधारित है। इसमें 1810 सुक्त है, जो प्रायः ऋग्वेद से लिए गए हैं। इस वेद को भारतीय संगीत का जनक कहते हैं।

23. यजुर्वेद के पाठकर्ता को कहा जाता है—
(अ) होतृ (ब) अध्वर्यु
(स) उद्गातृ (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्याः— सस्वर पाठ के लिए मंत्रों तथा बलि के समय अनुपालन के लिए नियमों का संकलन यजुर्वेद कहलाता है। इसके पाठकर्ता को अध्वर्यु कहते हैं।

24. सामवेद के पाठकर्ता को कहा जाता है—
(अ) होतृ (ब) अध्वर्यु
(स) उद्गातृ (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्याः— सामवेद में मुख्यतः यज्ञों के अवसर पर गाये जाने वाले ऋचाओं (मन्त्रों) का संकलन है। इसके पाठकर्ता को उद्गातृ कहते हैं। इसका संकलन ऋग्वेद पर आधारित है। इसमें 1810 सुक्त है, जो प्रायः ऋग्वेद से लिए गए हैं। इस वेद को भारतीय संगीत का जनक कहते हैं।

25. किस वेद को भारतीय संगीत का जनक कहा जाता है ?
(अ) ऋग्वेद (ब) यजुर्वेद
(स) सामवेद (द) अथर्ववेद
उत्तर : (स)
व्याख्याः— 'साम' का शाब्दिक अर्थ है गान। सामवेद में मुख्यतः यज्ञों के अवसर पर गाये जाने वाले ऋचाओं (मन्त्रों) का संकलन है। इसके पाठकर्ता को उद्गातृ कहते हैं। इसका संकलन ऋग्वेद पर आधारित है। इसमें 1810 सुक्त है, जो प्रायः ऋग्वेद से लिए गए हैं। इस वेद को भारतीय संगीत का जनक कहते हैं।

26. अथर्ववेद की रचना किसके द्वारा की गई ?
(अ) महर्षि वेदव्यास (ब) विश्वामित्र
(स) अथर्वा ऋषि (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्याः— अथर्ववेद की रचना अथर्वा ऋषि द्वारा की गई। इस वेद में कुल 731 मंत्र तथा लगभग 6000 पद्य है। औषधियों का उल्लेख सबसे पहले अथर्ववेद में मिलता है।

27. प्राचीन इतिहास के स्रोत के रूप में वैदिक साहित्य में ऋग्वेद के बाद किस ग्रंथ का स्थान आता है ?
(अ) मत्स्य पुराण (ब) शपपथ ब्राह्मण
(स) कठ उपनिषद (द) सामवेद
उत्तर : (ब)
व्याख्याः— प्राचीन इतिहास के साधन के रूप में वैदिक साहित्य में ऋग्वेद के बाद शतपथ ब्राह्मण का स्थान हैं

28. सभा एवं समिति को प्रजापति की दो पुत्रियाँ किस वेद में कहा गया है ?
(अ) ऋग्वेद (ब) यजुर्वेद
(स) सामवेद (द) अथर्ववेद
उत्तर : (द)
व्याख्याः— अथर्ववेद में सभा एवं समिति को प्रजापति की दो पुत्रियाँ कहा गया है।

29. रोग निवारण, तंत्र—मंत्र, जादू टोना, शाप वशीकरण आदि विविध विषयों से संबद्ध मंत्र तथा सामान्य मनुष्यों के विचारों, विश्वासों, अंधविश्वासों इत्यादि का वर्णन किस वेद में है ?
(अ) ऋग्वेद (ब) यजुर्वेद
(स) सामवेद (द) अथर्ववेद
उत्तर : (द)
व्याख्याः— अथर्ववेद में रोग निवारण, तंत्र—मंत्र, जादू टोना, शाप वशीकरण आदि विविध विषयों से संबद्ध मंत्र तथा सामान्य मनुष्यों के विचारों, विश्वासों, अंधविश्वासों आदि का वर्णन मिलता है।

30. सबसे प्राचीन वेद है—
(अ) ऋग्वेद (ब) यजुर्वेद
(स) सामवेद (द) अथर्ववेद
उत्तर : (अ)
व्याख्याः— सबसे प्राचीन वेद ऋग्वेद एवं सबसे बाद का वेद अथर्ववेद है।

31. सबसे बाद का वेद है—
(अ) ऋग्वेद (ब) यजुर्वेद
(स) सामवेद (द) अथर्ववेद
उत्तर : (द)

www.rajstudents.com

व्याख्या:– सबसे प्राचीन वेद ऋग्वेद एवं सबसे बाद का वेद अथर्ववेद है।

32. वेदों को भली–भाँति समझने के लिए कितने वेदांगों की रचना की गई है ?
(अ) 5 (ब) 4
(स) 6 (द) 7
उत्तर : (स)
व्याख्या:– वेदों को भली–भाँति समझने के लिए छः वेदांगों की रचना की गई है। शिक्षा (शुद्ध उच्चारण शास्त्र), कल्प (कर्मकाण्डीय विधि), व्याकरण, ज्योतिष, निरूक्त (शब्दों की व्युत्पत्ति का शास्त्र) एवं छन्द।

33. वेदों को भली–भाँति समझने के लिए किन छः वेदांगों की रचना की गई है ?
(अ) शिक्षा, कल्प, व्याकरण, ज्योतिष, निरुक्त व छंद
(ब) ज्ञान, कल्प, व्याकरण ज्योतिष, दोहे व छंद
(स) शिक्षा, कल्प, ज्योमिति, ज्योतिष, निरुक्त व छंद
(द) शिक्षा, कल्प, व्याकरण, योग, निरुक्त व छंद
उत्तर : (अ)
व्याख्या:– वेदों को भली–भाँति समझने के लिए छः वेदांगों की रचना की गई है। शिक्षा (शुद्ध उच्चारण शास्त्र), कल्प (कर्मकाण्डीय विधि), व्याकरण, ज्योतिष, निरूक्त (शब्दों की व्युत्पत्ति का शास्त्र) एवं छन्द।

34. भारतीय ऐतिहासिक कथाओं का सबसे अच्छा क्रमबद्ध विवरण किन ग्रंथों में मिलता है ?
(अ) पुराणों में (ब) उपनिषदों में
(स) वेदों में (द) स्मृतियों में
उत्तर : (अ)
व्याकरण:– भारतीय ऐतिहासिक कथाओं का सबसे अच्छा क्रमबद्ध विवरण पुराणों में मिलता है। इसके रचयिता लोमहर्ष अथवा उनके पुत्र उग्रश्रवा माने जाते हैं। पुराणों की कुल संख्या 18 है। केवल पाँच पुराणों–मत्स्य, वायु, विष्णु, ब्राह्मण एवं भागवत में ही राजाओं की वंशावली पायी जाती है। पुराणों में मत्स्य पुराण सबसे प्राचीन एवं प्रामाणिक है। विष्णु पुराण में मौर्य वंश, मत्स्य पुराण में आन्ध्र सातवाहन वंश तथा वायु पुराण में गुप्त वंश का वर्णन मिलता है। स्त्रियाँ तथा शूद्र जिन्हें वेद पढ़ने की अनुमति नहीं थी, वे भी पुराण सुन सकते थे। पुराणों का पाठ पुजारी मंदिरों में किया करते थे।

35. पुराणों की संख्या है–
(अ) 5 (ब) 4
(स) 6 (द) 7
उत्तर : (स)
व्याख्या:– भारतीय ऐतिहासिक कथाओं का सबसे अच्छा क्रमबद्ध विवरण पुराणों में मिलता है। इसके रचयिता लोमहर्ष अथवा उनके पुत्र उग्रश्रवा माने जाते हैं। पुराणों की कुल संख्या 18 है। केवल पाँच पुराणों–मत्स्य, वायु, विष्णु, ब्राह्मण एवं भागवत में ही राजाओं की वंशावली पायी जाती है। पुराणों में मत्स्य पुराण सबसे प्राचीन एवं प्रामाणिक है। विष्णु पुराण में मौर्य वंश, मत्स्य पुराण में आन्ध्र सातवाहन वंश तथा वायु पुराण में गुप्त वंश का वर्णन मिलता है। स्त्रियाँ तथा शूद्र जिन्हें वेद पढ़ने की अनुमति नहीं थी, वे भी पुराण सुन सकते थे। पुराणों का पाठ पुजारी मंदिरों में किया करते थे।

36. पुराणों में सबसे प्राचीन एवं प्रामाणिक पुराण है–
(अ) मत्स्य पुराण (ब) विष्णु पुराण
(स) वायु पुराण (द) भागवत पुराण
उत्तर : (अ)
व्याख्या:– भारतीय ऐतिहासिक कथाओं का सबसे अच्छा क्रमबद्ध विवरण पुराणों में मिलता है। इसके रचयिता लोमहर्ष अथवा उनके पुत्र उग्रश्रवा माने जाते हैं। पुराणों की कुल संख्या 18 है। केवल पाँच पुराणों–मत्स्य, वायु, विष्णु, ब्राह्मण एवं भागवत में ही राजाओं की वंशावली पायी जाती है। पुराणों में मत्स्य पुराण सबसे प्राचीन एवं प्रामाणिक है। विष्णु पुराण में मौर्य वंश, मत्स्य पुराण में आन्ध्र सातवाहन वंश तथा वायु पुराण में गुप्त वंश का वर्णन मिलता है। स्त्रियाँ तथा शूद्र जिन्हें वेद पढ़ने की अनुमति नहीं थी, वे भी पुराण सुन सकते थे। पुराणों का पाठ पुजारी मंदिरों में किया करते थे।

37. विष्णु पुराण का संबंध किस राजवंश से है ?
(अ) मौर्य वंश (ब) आन्ध्र सातवाहन वंश
(स) गुप्त वंश (द) शुंग वंश
उत्तर : (अ)
व्याख्या:– भारतीय ऐतिहासिक कथाओं का सबसे अच्छा क्रमबद्ध विवरण पुराणों में मिलता है। इसके रचयिता लोमहर्ष अथवा उनके पुत्र उग्रश्रवा माने जाते हैं। पुराणों की कुल संख्या 18 है। केवल पाँच पुराणों–मत्स्य, वायु, विष्णु, ब्राह्मण एवं भागवत में ही राजाओं की वंशावली पायी जाती है। पुराणों में मत्स्य पुराण सबसे प्राचीन एवं प्रामाणिक है। विष्णु पुराण में मौर्य वंश, मत्स्य पुराण में आन्ध्र सातवाहन वंश तथा वायु पुराण में गुप्त वंश का वर्णन मिलता है। स्त्रियाँ तथा शूद्र जिन्हें वेद पढ़ने की अनुमति नहीं थी, वे भी पुराण सुन सकते थे। पुराणों का पाठ पुजारी मंदिरों में किया करते थे।

38. मत्स्य पुराण का संबंध किस राजवंश से है ?
(अ) मौर्य वंश (ब) आन्ध्र सातवाहन वंश
(स) गुप्त वंश (द) शुंग वंश
उत्तर : (ब)

www.rajstudents.com

व्याख्याः– भारतीय ऐतिहासिक कथाओं का सबसे अच्छा क्रमबद्ध विवरण पुराणों में मिलता है। इसके रचयिता लोमहर्ष अथवा उनके पुत्र उग्रश्रवा माने जाते हैं। पुराणों की कुल संख्या 18 है। केवल पाँच पुराणों–मत्स्य, वायु, विष्णु, ब्राह्मण एवं भागवत में ही राजाओं की वंशावली पायी जाती है। पुराणों में मत्स्य पुराण सबसे प्राचीन एवं प्रामाणिक है। विष्णु पुराण में मौर्य वंश, मत्स्य पुराण में आन्ध्र सातवाहन वंश तथा वायु पुराण में गुप्त वंश का वर्णन मिलता है। स्त्रियाँ तथा शूद्र जिन्हें वेद पढ़ने की अनुमति नहीं थी, वे भी पुराण सुन सकते थे। पुराणों का पाठ पुजारी मंदिरों में किया करते थे।

39. वायु पुराण का संबंध किस राजवंश से है ?
(अ) मौर्य वंश (ब) आन्ध्र सातवाहन वंश
(स) गुप्त वंश (द) शुंग वंश
उत्तर : (स)
व्याख्याः– भारतीय ऐतिहासिक कथाओं का सबसे अच्छा क्रमबद्ध विवरण पुराणों में मिलता है। इसके रचयिता लोमहर्ष अथवा उनके पुत्र उग्रश्रवा माने जाते हैं। पुराणों की कुल संख्या 18 है। केवल पाँच पुराणों–मत्स्य, वायु, विष्णु, ब्राह्मण एवं भागवत में ही राजाओं की वंशावली पायी जाती है। पुराणों में मत्स्य पुराण सबसे प्राचीन एवं प्रामाणिक है। विष्णु पुराण में मौर्य वंश, मत्स्य पुराण में आन्ध्र सातवाहन वंश तथा वायु पुराण में गुप्त वंश का वर्णन मिलता है। स्त्रियाँ तथा शूद्र जिन्हें वेद पढ़ने की अनुमति नहीं थी, वे भी पुराण सुन सकते थे। पुराणों का पाठ पुजारी मंदिरों में किया करते थे।

40. स्मृतिग्रंथों में सबसे प्राचीन एवं प्रमाणिक है–
(अ) मनुस्मृति (ब) नारद स्मृति
(स) याज्ञवल्क्य स्मृति (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्याः– स्मृतिग्रंथों में सबसे प्राचीन एवं प्रमाणिक मनुस्मृति है।

41. शुंग काल का मानक ग्रंथ है–
(अ) मनुस्मृति (ब) नारद स्मृति
(स) याज्ञवल्क्य स्मृति (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्याः– शुंग काल का मानक ग्रंथ मनुस्मृति है।

42. नारद स्मृति से किस युग के विषय में जानकारी प्राप्त होती है ?
(अ) मौर्य वंश (ब) आन्ध्र सातवाहन वंश
(स) गुप्त वंश (द) शुंग वंश
उत्तर : (स)
व्याख्याः– नारद स्मृति से गुप्त वंश की जानकारी मिलती है।

43. महावीर स्वामी के जीवन कृत्यों तथा अन्य समकालिकों के साथ उनके संबंधों का विवरण मिलता है–
(अ) जातक में (ब) कल्पसूत्र में
(स) भगवती सूत्र में (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्याः– जैन साहित्य को आगम कहा जाता है। जैन धर्म का प्रारंभिक इतिहास 'कल्पसूत्र' से ज्ञात होता हैं जैन ग्रंथ भगवती सूत्र में महावीर स्वामी के जीवन–कृत्यों तथ अन्य समकालिकों के साथ उनके संबंधों का विवरण मिलता है।

44. किस ग्रंथ में महात्मा बुद्ध के पुर्वजन्म की कथाएँ वर्णित है ?
(अ) जातक (ब) कल्पसूत्र
(स) भगवती सूत्र (द) आगम
उत्तर : (अ)
व्याख्याः– बौद्ध ग्रंथ 'जातक' में बुद्ध के पूर्वजन्म की कहानी वर्णित है।

45. बौद्ध धर्म की हीनयान शाखा का वह ग्रंथ, जिसमें महात्मा बुद्ध का जीवन चरित अनेक कथानकों के साथ वर्णित है, है–
(अ) कथावस्तु (ब) कल्पसूत्र
(स) भगवती सूत्र (द) आगम
उत्तर : (अ)
व्याख्याः– बौद्ध धर्म की हीनयान शाखा के प्रमुख ग्रंथ 'कथावस्तु' में महात्मा बुद्ध के जीवन–चरित अनेक कथानकों के साथ वर्णित है।

46. जैन धर्म का प्रारंभिक इतिहास किस ग्रंथ से ज्ञात होता है ?
(अ) जातक (ब) कल्पसूत्र
(स) भगवती सूत्र (द) आगम
उत्तर : (ब)
व्याख्याः– जैन साहित्य को आगम कहा जाता है। जैन धर्म का प्रारंभिक इतिहास 'कल्पसूत्र' से ज्ञात होता हैं। जैन ग्रंथ भगवती सूत्र में महावीर स्वामी के जीवन–कृत्यों तथ अन्य समकालिकों के साथ उनके संबंधों का विवरण मिलता है।

47. 'आगम' किसे कहा जाता है ?
(अ) बौद्ध साहित्य (ब) जैन साहित्य
(स) हिन्दू साहित्य (द) पारसी साहित्य
उत्तर : (ब)
व्याख्याः– जैन साहित्य को आगम कहा जाता है। जैन धर्म का प्रारंभिक इतिहास 'कल्पसूत्र' से ज्ञात होता हैं जैन ग्रंथ भगवती सूत्र में महावीर स्वामी के जीवन–कृत्यों तथ अन्य समकालिकों के साथ उनके संबंधों का विवरण मिलता है।

www.rajstudents.com

48. 'जातक' ग्रंथ में किसके पूर्वजन्म की कहानी वर्णित है ?
(अ) महावीर स्वामी (ब) महात्मा बुद्ध
(स) चन्द्रगुप्त मौर्य (द) महर्षि गौतम
उत्तर : (ब)
व्याख्या:– बौद्ध ग्रंथ 'जातक' में बुद्ध के पूर्वजन्म की कहानी वर्णित है।

49. अर्थशास्त्र के लेखक हैं–
(अ) चाणक्य (ब) कल्हण
(स) वराहमिहिर (द) कत्यायन
उत्तर : (अ)
व्याख्या:– अर्थशास्त्र के लेखक चाणक्य (कौटिल्य या विष्णुगुप्त) हैं। यह 15 अधिकरणों एवं 180 प्रकरणों में विभाजित है। इससे मौर्यकालीन इतिहास की जानकारी प्राप्त होती हैं।

50. अर्थशास्त्र के लेखक चाणक्य का उपनाम है–
(अ) कौटिल्य (ब) विष्णुगुप्त
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या:– अर्थशास्त्र के लेखक चाणक्य (कौटिल्य या विष्णुगुप्त) हैं। यह 15 अधिकरणों एवं 180 प्रकरणों में विभाजित है। इससे मौर्यकालीन इतिहास की जानकारी प्राप्त होती हैं।

51. अर्थशास्त्र कितने अधिकरणों एवं प्रकरणों में विभाजित है ?
(अ) 15 अधिकरण और 180 प्रकरण
(ब) 15 अधिकरण और 120 प्रकरण
(स) 15 अधिकरण और 160 प्रकरण
(द) 11 अधिकरण और 180 प्रकरण
उत्तर : (अ)
व्याख्या:– अर्थशास्त्र के लेखक चाणक्य (कौटिल्य या विष्णुगुप्त) हैं। यह 15 अधिकरणों एवं 180 प्रकरणों में विभाजित है। इससे मौर्यकालीन इतिहास की जानकारी प्राप्त होती हैं।

52. कल्हण द्वारा रचित पुस्तक 'राजतरंगिणी' में किसके इतिहास का वर्णन है ?
(अ) कश्मीर के राजाओं का
(ब) सिंध के राजाओं का
(स) शुंग वंश के राजाओं का
(द) आन्ध्र सातवाहन वंश के राजाओं का
उत्तर : (अ)
व्याख्या:– संस्कृत साहित्य में ऐतिहासिक घटनाओं को क्रमबद्ध लिखने का सर्वप्रथम प्रयास कल्हण के द्वारा किया गया। कल्हण द्वारा रचित पुस्तक 'राजतरंगिणी' (राजाओं की नदी) में आठ सर्ग है, जिन्हें तरंगों की संज्ञा दी गई है। इसमें प्रारंभ से लेकर 12वीं सदी तक कश्मीर के शासकों का वर्णन है।

53. चाणक्य द्वारा रचित अर्थशास्त्र का संबंध किस राजवंश से है ?
(अ) मौर्य वंश (ब) आन्ध्र सातवाहन वंश
(स) गुप्त वंश (द) शुंग वंश
उत्तर : (अ)
व्याख्या:– अर्थशास्त्र के लेखक चाणक्य (कौटिल्य या विष्णुगुप्त) हैं। यह 15 अधिकरणों एवं 180 प्रकरणों में विभाजित है। इससे मौर्यकालीन इतिहास की जानकारी प्राप्त होती हैं।

54. संस्कृत साहित्य में ऐतिहासिक घटनाओं को क्रमबद्ध लिखने का सर्वप्रथम प्रयास करने वाले कल्हण द्वारा रचित प्रसिद्ध पुस्तक है–
(अ) अष्टाध्यायी (ब) गार्गी संहिता
(स) राजतरंगिणी (द) महाभाष्य
उत्तर : (स)
व्याख्या:– संस्कृत साहित्य में ऐतिहासिक घटनाओं को क्रमबद्ध लिखने का सर्वप्रथम प्रयास कल्हण के द्वारा किया गया। कल्हण द्वारा रचित पुस्तक 'राजतरंगिणी' (राजाओं की नदी) में आठ सर्ग है, जिन्हें तरंगों की संज्ञा दी गई है। इसमें प्रारंभ से लेकर 12वीं सदी तक के कश्मीर के शासकों का वर्णन है।

55. संस्कृत भाषा व्याकरण की प्रथम पुस्तक 'अष्टाध्यायी' के लेखक है–
(अ) कत्यायन (ब) महर्षि पंतजलि
(स) पाणिनी (द) प्लिनी
उत्तर : (स)
व्याख्या:– संस्कृत व्याकरण की प्रथम पुस्तक 'अष्टाध्यायी' के लेखक पाणिनी है। इस पुस्तक से मौर्य के पहले का इतिहास तथा मौर्ययुगीन राजनीतिक अवस्था की जानकारी प्राप्त होती है। अष्टाध्यायी में पहली बार लिपि शब्द का प्रयोग हुआ है।

56. अरबों की सिंध विजय का वृत्तांत पुस्तक 'चचनामा' में वर्णित है, जिसके लेखक है–
(अ) टेसियस (ब) प्लिनी
(स) अली अहमद (द) टॉलमी
उत्तर : (स)
व्याख्या:– अरबों की सिंध विजय का वृत्तांत लेखक अली अहमद द्वारा रचित पुस्तक 'चचनामा' में है।

57. ज्योतिष ग्रंथ 'गार्गी संहिता' के लेखक है–
(अ) कत्यायन (ब) पाणिनी
(स) वराहमिहिर (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

www.rajstudents.com

व्याख्याः– कत्यायन द्वारा रचित 'गार्गी संहिता' एक ज्योतिष ग्रंथ है, फिर भी इसमें भारत पर होने वाले यवन आक्रमण का उल्लेख मिलता है।

58. कत्यायन द्वारा रचित 'गार्गी संहिता' में किस आक्रमण का उल्लेख मिलता है ?
(अ) भारत पर यवन आक्रमण का
(ब) भारत पर अरबों के आक्रमण का
(स) भारत पर मुस्लिमों के आक्रमण का
(द) भारत पर यहूदियों के आक्रमण का
उत्तर : (अ)
व्याख्याः– कत्यायन द्वारा रचित 'गार्गी संहिता' एक ज्योतिष ग्रंथ है, फिर भी इसमें भारत पर होने वाले यवन आक्रमण का उल्लेख मिलता है।

59. महर्षि पंतजलि किस शासक के पुरोहित थे ?
(अ) पुष्यमित्र शुंग (ब) कनिष्क
(स) हर्षवर्धन (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– महर्षि पतंजलि शासक पुष्यमित्र शुंग के पुरोहित थे।

60. 'महाभाष्य' के लेखक है–
(अ) पतंजलि (ब) पाणिनी
(स) वराहमिहिर (द) हर्षवर्धन
उत्तर : (अ)
व्याख्याः– 'महाभाष्य' के लेखक महर्षि पतंजलि, शुंग वंश के पुरोहित थे। इनके महाकाव्य 'महाभाष्य' से शुंगों के इतिहास का पता चलता है।

61. पंतजलि द्वारा रचित ग्रंथ 'महाभाष्य' में किस राजवंश के इतिहास की जानकारी मिलती है ?
(अ) मौर्य वंश (ब) शुंग वंश
(स) गुप्त वंश (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्याः– 'महाभाष्य' के लेखक महर्षि पतंजलि, शुंग वंश के पुरोहित थे। इनके महाकाव्य 'महाभाष्य' से शुंगों के इतिहास का पता चलता है।

62. यूनानी लेखक टेसियस किस देश के राजवैद्य थे ?
(अ) ईरान (ब) ईराक
(स) अरब (द) तिब्बत
उत्तर : (अ)
व्याख्याः– यूनानी लेखक टेसियस ईरान का राजवैध था। भारत के संबंध में इसका विवरण आश्चर्यजनक कहानियों से परिपूर्ण होने के कारण अविश्वसनीय हे।

63. इतिहास का पिता किसे कहा जाता है ?
(अ) टेसियस (ब) डाइमेकस
(स) हेरोडोटस (द) टॉलमी
उत्तर : (स)
व्याख्याः– हेरोडोटस को इतिहास का पिता कहा जाता है। इसने अपनी पुस्तक 'हिस्टोरिका' में 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व के भारत–फारस (ईरान) के संबंध का वर्णन किया है। इनका विवरण भी अनुश्रुतियों एवं अफवाहों पर आधारित है।

64. पुस्तक 'हिस्टोरिका' के लेखक हैं–
(अ) डाइमेकस (ब) टेसियस
(स) हेरोडोटस (द) मेगस्थनीज
उत्तर : (स)
व्याख्याः– हेरोडोटस को इतिहास का पिता कहा जाता है। इसने अपनी पुस्तक 'हिस्टोरिका' में 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व के भारत–फारस (ईरान) के संबंध का वर्णन किया है। इनका विवरण भी अनुश्रुतियों एवं अफवाहों पर आधारित है।

65. हेरोडोटस की पुस्तक 'हिस्टोरिका' में किन दो देशों के सम्बन्ध का वर्णन किया गया है ?
(अ) भारत और फारस (ब) भारत और ईरान
(स) भारत और चीन (द) भारत और ईराक
उत्तर : (अ)
व्याख्याः– हेरोडोटस को इतिहास का पिता कहा जाता है। इसने अपनी पुस्तक 'हिस्टोरिका' में 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व के भारत–फारस (ईरान) के संबंध का वर्णन किया है। इनका विवरण भी अनुश्रुतियों एवं अफवाहों पर आधारित है।

66. यूनानी लेखक निर्याकस किस शासक के साथ भारत आया था ?
(अ) सिकन्दर (ब) सेल्यूकस निकेटर
(स) टॉली फिलेडेल्फस (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– यूनानी लेखक निर्याकस सिकन्दर के साथ भारत आया था।

67. यूनानी लेखक ऑनेसिक्रटस किस शासक के साथ भारत आया था ?
(अ) सिकन्दर (ब) सेल्यूकस निकेटर
(स) टॉली फिलेडेल्फस (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– यूनानी लेखक ऑनेसिक्रटस सिकन्दर के साथ भारत आया था

68. यूनानी लेखक ऑस्टियोबुलस किस शासक के साथ भारत आया था ?
(अ) सिकन्दर (ब) सेल्यूकस निकेटर
(स) टॉली फिलेडेल्फस (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– यूनानी लेखक ऑस्टियोबुलस सिकन्दर के साथ भारत आया था

www.rajstudents.com

69. मेगस्थनीज किस भारतीय शासक के दरबार में रहता था ?
(अ) चन्द्रगुप्त मौर्य (ब) अशोक
(स) बिन्दुसार (द) चन्द्रगुप्त द्वितीय
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मेगस्थनीज सेल्यूकस निकेटर का था, जो चन्द्रगुप्त मौर्य के राजदरबार में आया था। इसने अपनी पुस्तक 'इण्डिका' में मौर्य युगीन समाज और संस्कृति के बारे में लिखा है।

70. मेगस्थनीज किसका राजदूत था ?
(अ) सेल्यूकस निकेटर
(ब) सीरियन नरेश आन्तियोकस
(स) मिस्र नरेश टॉलमी फिलेडेल्फस
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मेगस्थनीज सेल्यूकस निकेटर का था, जो चन्द्रगुप्त मौर्य के राजदरबार में आया था। इसने अपनी पुस्तक 'इण्डिका' में मौर्य युगीन समाज और संस्कृति के बारे में लिखा है।

71. मेगस्थनीज द्वारा रचित पुस्तक है–
(अ) सि–यू–की (ब) इंडिका
(स) हिस्टोरिका (द) भारत का भूगोल
उत्तर : (ब)
व्याख्या– मेगस्थनीज सेल्यूकस निकेटर का था, जो चन्द्रगुप्त मौर्य के राजदरबार मं आया था। इसने अपनी पुस्तक 'इण्डिका' में मौर्य युगीन समाज और संस्कृति के बारे में लिखा है।

72. मेगस्थनीज भारतीय शासक चन्द्रगुप्त मौर्य की राजधानी में कई वर्षों तक रहा। इस राजधानी का नाम था–
(अ) इन्द्रप्रस्थ (ब) उज्जैन
(स) पाटलिपुत्र (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– मेगस्थनीज सेल्यूकस निकेटर का था, जो चन्द्रगुप्त मौर्य के राजदरबार में आया था। इसने अपनी पुस्तक 'इण्डिका' में मौर्य युगीन समाज और संस्कृति के बारे में लिखा है। मेगस्थनीज चन्द्रगुप्त मौर्य की राजधानी पाटलिपुत्र में कई वर्षों तक रहा था।

73. मेगस्थनीज किस भारतीय शासक के दरबार में रहा था ?
(अ) चन्द्रगुप्त मौर्य (ब) चन्द्रगुप्त द्वितीय
(स) अशोक (द) बिन्दुसार
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मेगस्थनीज सेल्यूकस निकेटर का था, जो चन्द्रगुप्त मौर्य के राजदरबार में आया था। मेगस्थनीज चन्द्रगुप्त मौर्य की राजधानी पाटलिपुत्र में कई वर्षों तक रहा था। इसने अपनी पुस्तक 'इण्डिका' में मौर्य युगीन समाज और संस्कृति के बारे में लिखा है।

74. यूनानी लेखक डाइमेकस किस शासक का राजदूत था ?
(अ) सिकन्दर
(ब) सेल्यूकस निकेटर
(स) सीरियन नरेश आन्तियोकस
(द) मिस्र नरेश टॉलमी फिलेडल्फस
उत्तर : (स)
व्याख्या– यूनानी लेखक डाइमेकस सीरियन नरेश आन्तियोकस का राजदूत था, जो बिन्दुसार के राजदरबार में आया था। इसका विवरण मौर्य युग से संबंधित था।

75. यूनानी लेखक डाइमेकस किस भारतीय शासक के राजदरबार में आया था ?
(अ) अशोक (ब) बिन्दुसार
(स) चन्द्रगुप्त द्वितीय (द) हर्षवर्धन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– यूनानी लेखक डाइमेकस सीरियन नरेश आन्तियोकस का राजदूत था, जो बिन्दुसार के राजदरबार में आया था। इसका विवरण मौर्य युग से संबंधित था।

76. यूनानी लेखक डायोनिसियस किस शासक का राजदूत था ?
(अ) सिकन्दर
(ब) सेल्यूकस निकेटर
(स) सीरियन नरेश आन्तियोकस
(द) मिस्र नरेश टॉलमी फिलेडेल्फस
उत्तर : (द)
व्याख्या– यूनानी लेखक डाइमेकस सीरियन नरेश आन्तियोकस का राजदूत था, जो बिन्दुसार के राजदरबार में आया था। इसका विवरण मौर्य युग से संबंधित था।

77. यूनानी लेखक डायोनिसियस किस भारतीय शासक के राजदरबार में आया था ?
(अ) अशोक (ब) बिन्दुसार
(स) चन्द्रगुप्त द्वितीय (द) हर्षवर्धन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– यूनानी लेखक डायोनिसियस मिस्र नरेश टॉलमी फिलेडेल्फस का राजदूत था, जो अशोक के राजदरबार में आया था।

78. 'नेचुरल हिस्ट्री' नामक पुस्तक के लेखक हैं–
(अ) प्लिनी (ब) टॉलमी
(स) फाहियान (द) अलबरूनी
उत्तर : (अ)

व्याख्या– यूनानी लेखक प्लिनी ने 'नेचुरल हिस्ट्री' नामक पुस्तक लिखी जिसमें भारतीय पशुओं, पेड़ पौधों, खनिज पदार्थों आदि के बारे में विवरण मिलता है।

79. 'भारत का भूगोल' नामक पुस्तक के लेखक हैं–
(अ) प्लिनी (ब) टॉलमी
(स) फाहियान (द) अलबरूनी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– यूनानी लेखक टॉलमी ने दूसरी शताब्दी में 'भारत का भूगोल' नामक पुस्तक लिखी।

80. निम्न में से किस पुस्तक के लेखक के बारे में जानकारी नहीं है ?
(अ) किताब–उल–हिन्द
(ब) भारत का भूगोल
(स) नेचुरल हिस्ट्री
(द) पेरीप्लस ऑफ द इरिथ्रियन–सी
उत्तर : (द)
व्याख्या– 'पेरीप्लस ऑफ द इरिथ्रियन–सी' नामक पुस्तक के लेखक के बारे में जानकारी नहीं है। यह लेखक लगभग 80 ई. में हिन्द महासागर की यात्रा पर आया था। इसने उस समय के भारत के बंदरगाहों तथा व्यापारिक वस्तुओं के बारे में जानकारी प्रस्तुत की है।

81. 'पेरीप्लस ऑफ द इरिथ्रियन–सी' नामक पुस्तक के लेखक, जिसके बारे में जानकारी नहीं है, ने लगभग 80 ई. में किस महासागर की यात्रा पर आया था ?
(अ) हिन्द महासागर (ब) अरब सागर
(स) प्रशांत महासागर (द) अटलांटिक महासागर
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 'पेरीप्लस ऑफ द इरिथ्रियन–सी' नामक पुस्तक के लेखक के बारे में जानकारी नहीं है। यह लेखक लगभग 80 ई. में हिन्द महासागर की यात्रा पर आया था। इसने उस समय के भारत के बंदरगाहों तथा व्यापारिक वस्तुओं के बारे में जानकारी प्रस्तुत की है।

82. चीनी यात्री फाहियान किस भारतीय शासक के दरबार में आया था ?
(अ) अशोक (ब) चन्द्रगुप्त मौर्य
(स) चन्द्रगुप्त द्वितीय (द) बिन्दुसार
उत्तर : (स)
व्याख्या– चीनी यात्री फाहियान चन्द्रगुप्त द्वितीय के दरबार में आया था। इसने अपने विवरण में मध्य प्रदेश के समाज एवं संस्कृति के बारे में वर्णन किया है। इसने मध्य प्रदेश की जनता को सुखी एवं समृद्ध बताया है।

83. किस चीनी यात्री ने अपने विवरण में मध्यप्रदेश की जनता को सुखी एवं समृद्ध बताया ?
(अ) हुएनसाँग ने (ब) फाहियान ने
(स) संयुगन ने (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– चीनी यात्री फाहियान चन्द्रगुप्त द्वितीय के दरबार में आया था। इसने अपने विवरण में मध्य प्रदेश के समाज एवं संस्कृति के बारे में वर्णन किया है। इसने मध्य प्रदेश की जनता को सुखी एवं समृद्ध बताया है।

84. चीनी यात्री संयुगन किस वर्ष भारत आया था ?
(अ) 629 ई. (ब) 645 ई.
(स) 518 ई. (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– चीनी यात्री संयुगन 518 ई. में भारत आया था। इसने अपने तीन वर्षों की यात्रा में बौद्ध धर्म की प्राप्तियाँ एकत्रित की।

85. किस चीनी यात्री को यात्रियों में राजकुमार, नीति का पंडित एवं वर्तमान शाक्यमुनि कहा जाता है ?
(अ) हुएनसाँग (ब) प्लिनी
(स) फाहियान (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– चीनी यात्री हुएनसाँग को यात्रियों में राजकुमार, नीति का पंडित एवं वर्तमान शाक्यमुनि कहा जाता है। यह हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था। यह यहाँ 16 वर्षों तक रहा। इसने 6 वर्षों तक नालंदा विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण की। इसका भ्रमण वृत्तांत 'सि–यू–की' नाम से प्रसिद्ध है, जिसमें 138 देशों का विवरण मिलता है। इसने हर्षकालीन समाज, धर्म तथा राजनीति के बारे में वर्णन किया है।

86. हुएनसाँग भारत में किस स्थान से आया था ?
(अ) जापान (ब) रूस
(स) चीन (द) ईरान
उत्तर : (स)
व्याख्या– चीनी यात्री हुएनसाँग को यात्रियों में राजकुमार, नीति का पंडित एवं वर्तमान शाक्यमुनि कहा जाता है। यह हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था। यह यहाँ 16 वर्षों तक रहा। इसने 6 वर्षों तक नालंदा विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण की। इसका भ्रमण वृत्तांत 'सि–यू–की' नाम से प्रसिद्ध है, जिसमें 138 देशों का विवरण मिलता है। इसने हर्षकालीन समाज, धर्म तथा राजनीति के बारे में वर्णन किया है।

www.rajstudents.com

87. चीनी यात्री हुएनसाँग किस भारतीय शासक के शासनकाल में भारत आया ?
(अ) हर्षवर्धन (ब) चन्द्रगुप्त मौर्य
(स) कनिष्क (द) अशोक
उत्तर : (अ)
व्याख्या– चीनी यात्री हुएनसाँग को यात्रियों में राजकुमार, नीति का पंडित एवं वर्तमान शाक्यमुनि कहा जाता है। यह हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था। यह यहाँ 16 वर्षों तक रहा। इसने 6 वर्षों तक नालंदा विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण की। इसका भ्रमण वृत्तांत 'सि–यू–की' नाम से प्रसिद्ध है, जिसमें 138 देशों का विवरण मिलता है। इसने हर्षकालीन समाज, धर्म तथा राजनीति के बारे में वर्णन किया है।

88. चीनी यात्री हुएनसाँग ने किस वर्ष चीन से भारतवर्ष के लिए प्रस्थान किया ?
(अ) 647 ई. (ब) 629 ई.
(स) 645 ई. (द) 642 ई.
उत्तर : (ब)

89. चीनी यात्री हुएनसाँग ने 629 ई. में चीन से भारतवर्ष के लिए प्रस्थान कर लगभग एक वर्ष की यात्रा के बाद सर्वप्रथम भारत के किस राज्य में पहुँचा ?
(अ) कालीकट (ब) नालन्दा
(स) कपिशा (द) तक्षशिला
उत्तर : (स)

90. चीनी यात्री हुएनसाँग भारत में 15 वर्षों तक ठहरकर किस वर्ष में चीन लौट गया ?
(अ) 645 ई. (ब) 629 ई.
(स) 619 ई. (द) 642 ई.
उत्तर : (अ)

91. चीनी यात्री हुएनसाँग ने भारत में किस विश्वविद्यालय में अध्ययन किया था ?
(अ) नालंदा (ब) तक्षशिला
(स) काशी (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

92. चीनी यात्री हुएनसाँग के अध्ययन के समय नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति कौन थे ?
(अ) आचार्य शीलभद्र (ब) महर्षि कपिल
(स) आचार्य परमानन्द (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

93. चीनी यात्री हुएनसाँग का भ्रमण वृतांत किस नााम से प्रसिद्ध है ?
(अ) सि–यू–की (ब) इंडिका
(स) हिस्टोरिका (द) भारत का भूगोल
उत्तर : (अ)

94. चीनी यात्री इत्सिंग भारत कब आया था ?
(अ) छठी शताब्दी के अन्त में
(ब) सातवीं शताब्दी के अन्त में
(स) पांचवी शताब्दी के अन्त में
(द) तृतीय शताब्दी के अन्त में
उत्तर : (ब)

95. चीनी यात्री हुएनसाँग किस उद्देश्य से भारत आया था ?
(अ) नालंदा विश्वविद्यालय में अध्ययन करने
(ब) बौद्ध ग्रंथों को एकत्र कर ले जाने के लिए
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

96. चीनी यात्री इत्सिंग ने अपने भ्रमण वृतांत में भारत के किस विश्वविद्यालय का वर्णन किया है ?
(अ) नालंदा विश्वविद्यालय
(ब) विक्रमशिला विश्वविद्यालय
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) तक्षशिला विश्वविद्यालय
उत्तर : (स)

97. अरबी लेखक अलबरूनी किस मुस्लिम शासक के साथ भारत आया था ?
(अ) मोहम्मद बिन कासिम
(ब) मुहम्मद गौरी
(स) महमूद गजनवी
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

98. 'किताब–उल–हिन्द' या 'तहकीक–ए–हिन्द' (भारत की खोज) नामक पुस्तक के लेखक हैं–
(अ) अलबरूनी (ब) तारानाथ
(स) अबुल फजल (द) मार्कोपोलो
उत्तर : (अ)

99. निम्नलिखित में से किस पुस्तक की रचना तिब्बती लेखक तारानाथ के द्वारा की गई थी ?
(अ) कंग्युर (ब) तंग्युर
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

100. एशिया माइनर में स्थित 1400 ई.पू. के अभिलेख 'बोगाजकोई किन वैदिक देवताओं के नाम मिलते हैं ?
(अ) मित्र, वरुण, इन्द्र एवं नासत्य (अश्विनी कुमार)
(ब) मित्र, वरुण, ब्रह्मा एवं इन्द्र
(स) वरुण, इन्द्र, ब्रह्म एवं नासत्य
(द) इन्द्र, वरुण, विष्णु एवं महेश
उत्तर : (अ)

www.rajstudents.com

101. मध्य भारत में भागवत धर्म विकसित होने का प्रमाण यवन राजदूत होलियोडोरस के बेसनगर (विदिशा) स्थित किस स्तम्भ लेख से प्राप्त होता है ?
(अ) गरुण स्तम्भ लेख
(ब) नासिक अभिलेख
(स) हाथी गुम्फा अभिलेख
(द) सौहगोरा अभिलेख
उत्तर : (अ)

102. 13वीं शताब्दी के अन्त में पाण्ड्य देश की यात्रा पर आने वाले यात्री/लेखक थे–
(अ) तारानाथ (ब) मार्कोपोलो
(स) संयुगन (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

103. सर्वप्रथम भारत वर्ष का जिक्र किस अभिलेख में मिला है ?
(अ) गरुण स्तम्भ लेख
(ब) नासिक अभिलेख
(स) हाथी गुम्फा अभिलेख
(द) सौहगोरा अभिलेख
उत्तर : (स)

104. सर्वप्रथम दुर्भिक्ष (अकाल) की जानकारी देने वाला अभिलेख है–
(अ) गरुण स्तम्भ लेख
(ब) नासिक अभिलेख
(स) हाथी गुम्फा अभिलेख
(द) सौहगोरा अभिलेख
उत्तर : (द)

105. सर्वप्रथम भारत पर होने वाले हूण आक्रमण की जानकारी किस स्तम्भ लेख से प्राप्त होती है ?
(अ) गरुण स्तम्भ लेख
(ब) मंदसौर अभिलेख
(स) एरण अभिलेख
(द) भीतरी स्तम्भ लेख
उत्तर : (द)

106. सती प्रथा का पहला लिखित साक्ष्य किस अभिलेख से प्राप्त होता है ?
(अ) गरुण स्तम्भ लेख
(ब) मंदसौर अभिलेख
(स) एरण अभिलेख
(द) भीतरी स्तम्भ लेख
उत्तर : (स)

107. एरण अभिलेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
(अ) स्कन्द गुप्त (ब) समुद्रगुप्त
(स) भानू गुप्त (द) घटोत्कच
उत्तर : (स)

108. रेशम बुनकर की श्रेणियों की जानकारी किस अभिलेख से प्राप्त होती है ?
(अ) गरुण स्तम्भ लेख
(ब) मंदसौर अभिलेख
(स) एरण अभिलेख
(द) भीतरी स्तम्भ लेख
उत्तर : (ब)

109. निम्नलिखित में से तिथिरहित अभिलेख है–
(अ) गरुण स्तम्भ लेख
(ब) नासिक अभिलेख
(स) हाथी गुम्फा अभिलेख
(द) सौहगोरा अभिलेख
उत्तर : (द)

110. हाथी गुम्फा अभिलेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
(अ) कलिंग राज खारवेल
(ब) अमोघवर्ष
(स) भानू गुप्त
(द) स्कन्द गुप्त
उत्तर : (अ)

111. जूनागढ़ (गिरनार) अभिलेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
(अ) रुद्रदामन
(ब) अमोघवर्ष
(स) गौतमी बलश्री
(द) मालवा नरेश यशोधर्मन
उत्तर : (अ)

112. नासिक अभिलेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
(अ) रुद्रदामन
(ब) अमोघवर्ष
(स) गौतमी बलश्री
(द) मालवा नरेश यशोधर्मन
उत्तर : (स)

113. प्रयाग स्तम्भ लेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
(अ) कलिंग राज खारवेल
(ब) अमोघवर्ष
(स) भानू गुप्त
(द) स्कन्द गुप्त
उत्तर : (द)

114. ऐहोल अभिलेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
(अ) समुद्रगुप्त
(ब) पुलकेशिन द्वितीय
(स) प्रतिहार नरेश भोज
(द) बंगाल शासक विजयसेन
उत्तर : (ब)

www.rajstudents.com

115. मंदसौर अभिलेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
(अ) रुद्रदामन
(ब) अमोघवर्ष
(स) गौतमी बलश्री
(द) मालवा नरेश यशोधर्मन
उत्तर : (द)

116. ग्वालियर अभिलेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
(अ) समुद्रगुप्त
(ब) पुलकेशिन द्वितीय
(स) प्रतिहार नरेश भोज
(द) बंगाल शासक विजयसेन
उत्तर : (स)

117. भितरी एवं जूनागढ़ अभिलेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
(अ) कलिंग राज खारवेल
(ब) अमोघवर्ष
(स) भानू गुप्त
(द) स्कन्द गुप्त
उत्तर : (द)

118. देवपाड़ा अभिलेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
(अ) समुद्रगुप्त
(ब) पुलकेशिन द्वितीय
(स) प्रतिहार नरेश भोज
(द) बंगाल शासक विजयसेन
उत्तर : (द)

119. ऐहोल अभिलेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
(अ) समुद्रगुप्त
(ब) पुलकेशिन द्वितीय
(स) प्रतिहार नरेश भोज
(द) बंगाल शासक विजयसेन
उत्तर : (ब)

120. ऐहोल के लेख किसके शासनकाल पर प्रकाश डालते हैं ?
(अ) समुद्रगुप्त
(ब) पुलकेशिन द्वितीय
(स) प्रतिहार नरेश भोज
(द) बंगाल शासक विजयसेन
उत्तर : (ब)

121. किस नवपाषाणिक पुरास्थल से गर्तावास का साक्ष्य मिला है ?
(अ) बुर्जहोम (कश्मीर)
(ब) कालीबंगा (हनुमानगढ़, राजस्थान)
(स) लोथल (गुजरात)
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

122. अभिलेखों का अध्ययन कहलाता है–
(अ) एपीग्राफी (ब) होलोग्राफी
(स) कास्मोग्राफी (द) मैमोग्राफी
उत्तर : (अ)

123. प्राचीनतम सिक्कों को कहा जाता था–
(अ) आहत सिक्के (ब) पंचमार्क सिक्के
(स) मार्क्ड सिक्के (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (अ)

124. प्राचीनतम सिक्कों को साहित्य में कहा जाता है
(अ) कार्षापण सिक्के (ब) झाड़शाही सिक्के
(स) क्षत्रप सिक्के (द) ढ़लित सिक्के
उत्तर : (अ)

125. सर्वप्रथम सिक्कों पर लेख लिखने का कार्य किन शासकों ने किया था ?
(अ) यवन शासकों ने
(ब) शक शासकों ने
(स) शुंग शासकों ने
(द) वर्धन वंश के शासकों ने
उत्तर : (अ)

126. किस गुप्त शासक को वीणा बजाती हुई मुद्रा में सिक्कों पर अंकित किया गया था जिससे उनके संगीत प्रेमी होने का प्रमाण मिलता है ?
(अ) समुद्रगुप्त
(ब) स्कन्दगुप्त
(स) चन्द्रगुप्त प्रथम
(द) भानू गुप्त
उत्तर : (अ)

127. अरिकमेडू (पुडुचेरी के निकट) से किस देश के सिक्के मिले हैं ?
(अ) ईरान (ब) ईराक
(स) रोमन (द) मिस्र
उत्तर : (अ)

128. 'बुद्धचरित' किसकी कृति है ?
(अ) कनिष्क (ब) अश्वघोष
(स) हर्षवर्धन (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

129. 'मुद्राराक्षस' किसके शासकाल का चित्रण करता है ?
(अ) कनिष्क (ब) हर्षवर्धन
(स) शूद्रक (द) चन्द्रगुप्त मौर्य
उत्तर : (स)

130. गुप्तकालीन चित्रकला के सर्वोत्कृष्ट उदाहरण कहाँ प्राप्त हुए हैं ?
(अ) ऐलोरा (ब) ऐलीफेंटा
(स) अजन्ता (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

www.rajstudents.com

131. 'वृहत कथा मंजरी' नामक ग्रंथ के रचयिता है–
(अ) अश्वघोष (ब) क्षेमेन्द्र
(स) कल्हण (द) भवभूति
उत्तर : (ब)

132. चरक तथा अश्वघोष किस कुषाण शासक के समकालीन थे ?
(अ) कनिष्क (ब) समुद्रगुप्त
(स) हर्षवर्धन (द) शूद्रक
उत्तर : (स)

133. 'पेरिप्लस ऑफ दि एरिथ्रियन सी' पुस्तक में अरिकामेडु बन्दरगाह को किस नाम से सम्बोधित किया गया है ?
(अ) लोथल (ब) ताम्रलिप्ति
(स) सुतकांगेनडोर (द) पेडोक
उत्तर : (स)

134. रथयात्रा, जिसमें चार पहियों के पाँच मंजिला रथ में मूर्तियों को भ्रमण कराया जाता था, का उल्लेख किस चीनी यात्री ने किया है ?
(अ) हुएनसाँग (ब) संयुगन
(स) फाहियान (द) मेगस्थनीज
उत्तर : (स)

135. कल्हण की पुस्तक 'राजतरंगिणी' का विषय क्या था ?
(अ) गुप्त वंश के राजाओं का इतिहास
(ब) मौर्ययुगीन प्रशासनिक व्यवस्था
(स) कश्मीर के राजाओं का इतिहास
(द) शुंग वंश के राजाओं का इतिहास
उत्तर : (स)

136. मिताक्षरा पुस्तक किस विषय से सम्बन्धित है ?
(अ) ज्योतिष (ब) हिन्दू कानून
(स) व्याकरण (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

137. सबसे प्राचीन स्मृति ग्रन्थ है–
(अ) नारद स्मृति (ब)
(स) मनुस्मृति (द)
उत्तर : (स)

138. अर्थशास्त्र में चर किसको कहा गया है ?
(अ) जासूस को (ब) जमींदार को
(स) न्यायाधीश को (द) मंत्री को
उत्तर : (अ)

139. बाणभट्ट द्वारा रचित 'हर्षचरित' है–
(अ) महाकाव्य
(ब) नाटक
(स) कानून विषयक ग्रंथ
(द) राजनीति विषयक ग्रंथ
उत्तर : (ब)

140. "ब्राह्मण की परीक्षा तुला से, क्षत्रिय की अग्नि से, वैश्य की जल से तथा शूद्र की विष से की जानी चाहिए" यह कथन किस ग्रंथ में उल्लिखित है ?
(अ) वराहमिहिर की रचना 'वृहत्संहिता' में
(ब) कल्हण की पुस्तक 'राजतरंगिणी' में
(स) चाणक्य की पुस्तक 'अर्थशास्त्र' में
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

141. 'नारद स्मृति' ग्रंथ किस काल में लिखी गई है ?
(अ) गुप्त काल में (ब) शुंग काल में
(स) मौर्य काल में (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

142. यम द्वारा नचिकेता और उसके तीन वर प्राप्त करने की कहानी किसमें वर्णित है ?
(अ) वृहदारण्यक (ब) हर्षचरित
(स) कठोपनिषद् (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

143. जातक कथाओं की भाषा थी–
(अ) संस्कृत (ब) पालि
(स) हिन्दी (द) ब्राह्मी
उत्तर : (ब)

144. 'लीलावती' नामक कृति सम्बन्धित है–
(अ) गणित से (ब) राजनीति से
(स) दर्षन से (द) औषधि से
उत्तर : (अ)

145. 'पंचतंत्र' पुस्तक के रचयिता है–
(अ) जयदेव (ब) वेदव्यास
(स) भवभूति (द) विष्णु शर्मा
उत्तर : (अ)

146. प्राचीन भारतीय इतिहास का महत्वपूर्ण साहित्यिक स्रोत है–
(अ) फारसी साहित्य (ब) संस्कृत साहित्य
(स) उर्दू साहित्य (द) हिन्दी साहित्य
उत्तर : (ब)

147. तोलकाप्पियम क्या है ?
(अ) रामायण का तमिल भाषा में अनुवाद
(ब) तमिल व्याकरण की पुस्तक
(स) महाभारत का तमिल भाषा में अनुवाद
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

148. वास्कोडिगामा समुद्री यात्रा के बाद अब्दुल मनीक नामक गुजराती पथ–प्रदर्शक की सहायता से किस वर्ष कालीकट (भारत) पहुँचा ?
(अ) 1496ई. में (ब) 1498 ई. में
(स) 1499 ई. में (द) 1478 ई. में
उत्तर : (ब)

www.rajstudents.com

149. वास्कोडिगामा कहाँ का निवासी था ?
(अ) अमेरिका (ब) ब्रिटेन
(स) पुर्तगाल (द) ईरान
उत्तर : (स)

150. 1498 ई. में वास्कोडिगामा के कालीकट (भारत) पहुँचने पर वहाँ के किस शासक ने उनका स्वागत किया ?
(अ) जमोरिन (ब) आन्तियोकस
(स) चन्द्रगुप्त प्रथम (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

151. संस्कृत ग्रंथ 'हितोपदेश' के लेखक है–
(अ) चैतन्य (ब) नारायण पंडित
(स) कालिदास (द) भवभूति
उत्तर : (ब)

152. कौन सा वेद आंशिक रूप से गद्य में है ?
(अ) ऋग्वेद (ब) यजुर्वेद
(स) सामवेद (द) अथर्ववेद
उत्तर : (ब)

––––

www.rajstudents.com